स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

एम्स ऋषिकेश में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की नई पहल

डिजिटल बोर्ड, प्रेरक संदेश और हिंदी हस्ताक्षर अभियान से बढ़ेगा जनजागरूकता का दायरा

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए संस्थान प्रशासन द्वारा नई पहल शुरू की गई है। कार्यालयी कार्यों, दैनिक गतिविधियों और जनसंपर्क में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्थान परिसर में प्रेरक हिंदी संदेशों, डिजिटल बोर्डों और राजभाषा संबंधी बैनरों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आगंतुकों के बीच हिंदी भाषा के प्रति अपनत्व और जागरूकता बढ़ाना है।

एम्स की निदेशक डॉ. मीनू सिंह के दिशा-निर्देशन में उप निदेशक (प्रशासन) लेफ्टिनेंट कर्नल गोपाल मेहरा तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) मुकेश पाल के मार्गदर्शन में हिंदी सेल द्वारा यह अभियान संचालित किया जा रहा है। संस्थान में प्रतिदिन व्हाइट बोर्ड पर हिंदी में सुविचार लिखने की शुरूआत भी की गई है। साथ ही कर्मचारियों को हिंदी में हस्ताक्षर करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा लेटर हेड और कार्यालयी मुहरों के मानकीकरण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। संस्थान के हिंदी सेल में कार्यरत वरिष्ठ हिंदी अधिकारी शशि यादव, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी नीरज कुमार वर्मा एवं स्वाति कैंतुरा इस अभियान को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। एम्स प्रशासन का कहना है कि राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भविष्य में भी इस तरह के नवाचारात्मक प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

प्रधान टाइम्स

एम्स ऋषिकेश ने शुरू की राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की पहल

- जनजागरूकता मुहिम के लिए प्रेरक वाक्यों एवं राजभाषा बैनरों का होगा प्रदर्शन
- कार्यालयी कार्यों एवं हस्ताक्षर में राजभाषा की प्रगति के लिए कार्मिकों को किया जाएगा प्रेरित

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, ऋषिकेश द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा देने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं। जिससे राजभाषा की उत्तरोत्तर वृद्धि में सतत योगदान सुनिश्चित किया जा सके। संस्थान प्रशासन द्वारा कार्यालयी कार्यों एवं दैनिक गतिविधियों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने हेतु इस दिशा में अनेक नवाचारात्मक कदम उठाए गए हैं।

संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह के दिशा-निर्देशों के क्रम में उप निदेशक प्रशासन ले. कर्नल गोपाल मेहरा तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी राजभाषा मुकेश पाल के मार्गदर्शन में हिंदी सेल की ओर से संस्थान परिसर में डिजिटल बोर्डों पर हिंदी वाक्यों एवं संदेशों का नियमित प्रदर्शन प्रारंभ किया गया है, जिससे कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आगंतुकों में हिंदी भाषा के प्रति जनजागरूकता एवं अपनत्व की भावना विकसित हो सके।

जा रहा है, ताकि हिंदी के प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा मिल सके। राजभाषा के सतत विकास के लिए किए जा रहे उक्त कार्यों में संस्थान के हिंदी सेल में कार्यरत वरिष्ठ हिंदी अधिकारी वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी शशि यादव, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री नीरज कुमार वर्मा तथा सुश्री स्वाति कैंतुरा अपना योगदान दे रहे हैं बताया गया है कि हिंदी सेल द्वारा संस्थान में प्रतिदिन व्हाइट बोर्ड पर हिंदी में सुविचार लिखने की नई पहल प्रारंभ की गई है। इस प्रयास का उद्देश्य कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के बीच हिंदी करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है तथा संस्थान के लेटर हेड एवं कार्यालयी मुहरों के मानकीकरण की दिशा में भी आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, जिससे राजभाषा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके एम्स, ऋषिकेश राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी हिंदी के प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा देने हेतु ऐसे प्रयास सततरूप से जारी रखे जाएंगे।

UNIवार्ता
UNITED NEWS OF INDIA

एम्स ऋषिकेश में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की नई पहल

ऋषिकेश, 20 मई (वार्ता) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश ने राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए नई पहल शुरू की है। संस्थान प्रशासन द्वारा कार्यालयी कार्यों और दैनिक गतिविधियों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

बुधवार को संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह के दिशा-निर्देशों में उप निदेशक (प्रशासन) लेफ्टिनेंट कर्नल गोपाल मेहरा तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) मुकेश पाल के मार्गदर्शन में हिंदी सेल ने संस्थान परिसर के डिजिटल बोर्डों पर हिंदी संदेशों और प्रेरक वाक्यों का नियमित प्रदर्शन शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आगंतुकों के बीच हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता और अपनत्व की भावना विकसित करना है। **विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।.**

हिन्दुस्तान

एम्स में डिजिटल बोर्डों पर हिंदी में संदेशों का प्रसारण शुरू

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोगों को बढ़ावा देने की दिशा में पहल शुरू की जा रही है। जिसके तहत संस्थान परिसर में डिजिटल बोर्डों पर हिंदी वाक्यों एवं संदेशों को प्रसारित किया जा रहा है।

संस्थान की निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि संस्थान में हिंदी सेल की ओर से संस्थान परिसर में डिजिटल बोर्डों पर हिंदी वाक्यों एवं संदेशों का नियमित प्रदर्शन प्रारंभ किया गया है। जिससे कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आगंतुकों में हिंदी भाषा के प्रति जनजागरूकता एवं अपनत्व की भावना विकसित हो सके। कहा कि उप निदेशक प्रशासन

- **एम्स ऋषिकेश ने राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की पहल शुरू की**

ले. कर्नल गोपाल मेहरा तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) मुकेश पाल के नेतृत्व में लगातार हिंदी भाषा जागरूकता को लेकर कार्य किए जा रहे हैं। हिंदी सेल द्वारा संस्थान में प्रतिदिन व्हाइट बोर्ड पर हिंदी में सुविचार लिखने की नई पहल प्रारंभ की गई है। इस प्रयास का उद्देश्य कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के बीच हिंदी भाषा के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। ताकि हिंदी को बढ़वा मिल सके।